

# डॉ. इलेन फिलिप्स, बाइबिल अध्ययन का परिचय, सत्र 8, शेरोन प्लेन, माउंट कार्मेल, जेज़्रेल घाटी

© 2024 इलेन फिलिप्स और टेड हिल्डेब्रांट

यह बाइबिल अध्ययन के परिचय पर अपने शिक्षण में डॉ. एलेन फिलिप्स हैं। यह सत्र 8 है, शेरोन मैदान, माउंट कार्मेल और जेज़्रेल घाटी।

हम अपने क्षेत्रीय अध्ययन में आगे बढ़ रहे हैं।

बस खुद को याद दिलाने के लिए, हमने वास्तव में अपना रास्ता बना लिया है और इस छोटी सी अवधि में देश के जितना दक्षिणी भाग को कवर कर सकते हैं, कर लिया है। हमें केंद्र पर भी एक नियंत्रण मिल गया है, और मैं बस एक क्षण में इसकी समीक्षा करने जा रहा हूँ। लेकिन जैसा कि आप शीर्षक स्लाइड से देख सकते हैं, हम वास्तव में वहां से उत्तर और पश्चिम की ओर बढ़ रहे हैं जहां हम अपने पिछले अध्ययन में थे।

तो, केवल समीक्षा करने के लिए, समीक्षा करने से हमेशा मदद मिलती है; हम प्रमुख शक्ति मंडलों के बीच की भूमि के बारे में बार-बार बात कर रहे हैं, और यह तथ्य कि यह वह जगह है जहां यह कई मायनों में इसे विश्वास की परीक्षण भूमि बनाता है। हमारे पहले क्षेत्रीय अध्ययन में पूर्व में जंगल से लेकर यहूदी पहाड़ी देश, फिलिस्तीनी मैदान, शेफेला तक पूरे देश में उस हिस्से का अध्ययन किया गया। फिर, यदि आप चाहें, तो हमने नेगेव, बाइबिल के नेगेव, और महान नेगेव, सिनाई और मिस्र की ओर एक बड़ा दृष्टिकोण अपनाया।

इस व्याख्यान के पिछले व्याख्यान में, हमने अपना समय पहाड़ी देश में बिताया, और हमने पहाड़ी देश के उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जो बहुत महत्वपूर्ण हैं, क्षमा करें, भगवान की जनजाति के संदर्भ में, भगवान के लोगों की जनजातियाँ आधे में बसी हुई हैं- मनश्शे, एप्रैम और बिन्यामीन का गोत्र। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते हैं, हमें जिन चीज़ों पर ध्यान देने की ज़रूरत है उनमें से एक उस कदम का महत्व है जिसके बारे में हमने उत्तरी राज्य की राजधानी को सामरिया नामक स्थान पर ले जाने के पिछले व्याख्यान में बात की थी। पश्चिम की ओर दूर, पश्चिम और विशेष रूप से उत्तर-पश्चिम से आने वाली महानगरीय संस्कृतियों को अपनाने के लिए अधिक खुला।

इसलिए, जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते हैं, यहां हमारा नक्शा है जिससे हम अब काफी परिचित हैं, और हमारा पहला ध्यान शेरोन मैदान पर होगा। तो, बस खुद को याद दिलाने के लिए, जब हमने तटीय मैदान के बारे में बात की, तो हम पलिश्टी मैदान के बारे में बात कर रहे थे। अब, हम एक ऐसे क्षेत्र पर काम करने जा रहे हैं जिसे शेरोन या शेरोन मैदान कहा जाता है।

तो, बस हमारे पिछले व्याख्यान से जुड़ने के लिए, यह मनश्शे की आधी जनजाति का क्षेत्र था। अब हम यहां से बाहर जा रहे हैं, और हमारे पास मूल रूप से एक क्षेत्र है जो तकनीकी रूप से इस बिंदु से विस्तारित होने जा रहा है, शेरोन या शेरोन मैदान की उत्तरी सीमा, नचल तानिनिम

नामक एक छोटी सी जगह है। दिलचस्प बात यह है कि यह तानिनिम नदी है, जिसका मतलब मगरमच्छ होता है।

इस बात के प्रमाण प्रतीत होते हैं कि प्राचीन काल में, यहाँ तक कि 19वीं सदी तक भी, मगरमच्छों के अवशेष देखे जाते थे। किसी भी दर पर, उस बिंदु के उत्तर में तटीय मैदान का एक छोटा सा हिस्सा है। जैसा कि आप देख सकते हैं, यह गायब होने तक वास्तव में संकीर्ण हो जाता है, और माउंट कार्मेल, जिस पर हम बाद में लौटने वाले हैं, सीधे भूमध्य सागर में समा जाएगा।

यह डोर का मैदान है, और इसे विशेष रूप से एक छोटे शहर द्वारा परिभाषित किया गया है। यह पुराने नियम में बहुत कम ही दिखाई देता है, लेकिन यह वहाँ है। वह दोर का मैदान है, और दोर शहर है।

दक्षिण में, हमारे पास यार्कोन नदी है जो हमारी निश्चित सीमा होगी। तो हम यहां एक स्वीप के बारे में बात कर रहे हैं जिसकी लंबाई लगभग 30 मील है। वह महत्वपूर्ण होगा।

शेरोन मैदान, या शेरोन मैदान की पूर्वी सीमा, ये तलहटी हैं, जैसा कि हमने देखा है। विशेष रूप से यहीं का यह क्षेत्र हमारे लिए बहुत बड़ी पहचान बनने वाला है। और फिर, निस्संदेह, पश्चिम भूमध्य सागर है।

आइए जानें कि हम पहले से क्या जानते हैं, संभवतः इस मानचित्र को देखकर। यदि हम भूविज्ञान में रुचि रखते हैं, तो हमारे पास इस बिंदु पर उजागर होने वाली आधारशिला नहीं है। हम जलोढ़ मिट्टी और रेत के टीलों के बारे में बात कर रहे हैं, और आपको याद होगा, हमें अब कुछ ही दूरी पर वापस डायल करना होगा, इस अभिव्यक्ति को कुर्कर कहा जाता है।

केरकर को Q या K से लिखा जाता है। केरकर पर्वतमालाएं, और वे कैल्सीफाइड बलुआ पत्थर से बनी होती हैं। यह एक प्राकृतिक सीमेंट की तरह है, और जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे यह महत्वपूर्ण होता जाएगा। हमारे पास निश्चित रूप से जलोढ़ मिट्टी है, क्योंकि हमारे पहाड़ी देश क्षेत्र में लाखों वर्षों और सहस्राब्दियों की वर्षा के साथ, यहां के जल विभाजक के साथ, उस क्षेत्र में बहने वाला हमारा पानी बहुत समृद्ध मिट्टी के घटक होंगे।

लेकिन, निःसंदेह, क्योंकि तट के किनारे पहाड़ियाँ हैं, इन कुरकर चोटियों की कई पंक्तियाँ हैं, यह प्राकृतिक सीमेंट सामग्री है, इसका मतलब है कि हम उन चोटियों के पीछे दलदल जमा करने जा रहे हैं। इसलिए, शेरोन प्लेन पुराने नियम में बहुत अधिक दिखाई नहीं देता है, और इसका कारण यह है कि इसका एक बड़ा हिस्सा वास्तव में दलदली था। कुछ चीजें हैं जो वहां उगती हैं, लेकिन उस क्षेत्र में बहुत सारे शहर नहीं हैं।

जैसा कि हमने कहा है, शायद तीन या चार व्याख्यान पहले, हमारा प्रमुख मार्ग जो इस क्षेत्र से होकर गुजरता था वह तलहटी के ठीक किनारे से होकर गुजरता था, और फिर वहां दलदल हो जाता था। तो, वे इसी तरह आगे बढ़ेंगे, और फिर, जैसा कि हम बाद में देखने जा रहे हैं, कार्मेल रेंज से होकर गुजरेंगे। एक क्षण पहले, मैंने संकेत दिया था कि पुराने नियम में शेरोन मैदान में

बहुत कम मूल्यवान चीजें चल रही हैं, और यह हमारे विशेष नए नियम काल के साथ होगा कि हमारे पास कैसरिया नामक यह स्थान होगा।

मैं इस विशेष मानचित्र के लिए कार्ल रासमुसेन की होली लैंड फोटोज साइट का आभारी हूँ, जहां आप कैसरिया को सामने से लोड करते हुए और हाइलाइट करते हुए देखते हैं। अभी के लिए, कई सीज़रिया हैं क्योंकि उनका नाम सीज़र के नाम पर रखा गया है। हमारे उद्देश्यों के लिए, हम दो का सामना करने जा रहे हैं, उनमें से एक आज, कैसरिया मैरिटिमा, जो समुद्र के किनारे कैसरिया है, और फिर कल, या क्षमा करें, हमारा अगला व्याख्यान, हम कैसरिया फिलिपी से निपटने जा रहे हैं, जो माउंट हर्मन के क्षेत्र में होने जा रहा है।

तो, आइए अभी इस विशेष कैसरिया पर ध्यान केंद्रित करें और ध्यान दें कि यहां हम एक बार फिर हेरोदेस महान के साथ हैं। बस खुद को याद दिलाएं कि हेरोदेस महान हेरोडियन से जुड़ा हुआ है। हेरोदेस महान उस ऑगस्तान मंदिर परिसर को बनाने में यरूशलेम से जुड़ा हुआ है।

हेरोदेस महान ने उस विशेष समय में सामरिया में सेबस्ट नामक एक पदचिह्न छोड़ा था, और अब हम कैसरिया में हेरोदेस के पदचिह्न को बड़े पैमाने पर देखने जा रहे हैं। मैंने यह पहले भी कहा है, लेकिन मुझे इसे दोहराने की आवश्यकता है क्योंकि जब हम इस सामग्री के माध्यम से आगे बढ़ रहे हैं तो इस पर ध्यान देना वास्तव में महत्वपूर्ण है। हेरोदेस में बहुत अधिक महानता का भाव था।

मुझे नहीं लगता कि ऐसा कहना अनुचित है, लेकिन क्योंकि वह इस बात से निराश था कि वह युद्ध नहीं जीत सकता था और उस तरह से अपना नाम नहीं बना सकता था, उसने निर्माण किया और निर्माण किया और निर्माण किया, और एक बार जब उसने खुद को राजा नियुक्त कर लिया, तो यह थोड़ा था ऐसा राज्य न होना थोड़ा निराशाजनक है जो भू-राजनीतिक रूप से शक्तिशाली हो। इसलिए, वह कम से कम इसे एक प्रामाणिक ऑगस्तान चीज़ जैसा दिखाना चाहता था। वह यह भी चाहते थे, जैसा कि मैंने आपके लिए नोट किया है, रोमन संस्कृति और ग्रीको-रोमन संस्कृति को यहूदिया में लाना चाहते थे।

और इसलिए, आपके पास यहीं इस जगह से बेहतर प्रवेश बिंदु क्या हो सकता है? अब, ऐसा करने में कई बाधाएं थीं, क्योंकि अगर आप वहां उस समुद्र तट को देखें, तो वहां कोई प्राकृतिक बंदरगाह नहीं है। यह यहां पर एक सीधी तटरेखा है, लेकिन प्राचीन काल में, जब भी आप किसी भी प्रकार की शिपिंग करने जा रहे हों तो आपको एक बंदरगाह की आवश्यकता होती थी, और निश्चित रूप से रोम भूमध्य सागर की रोमन झील के पार था। इसलिए, हेरोदेस के इंजीनियरों को उस समस्या का सामना करना पड़ा।

निश्चित रूप से, हमें जोसेफस से पता चला कि वहाँ एक बस्ती थी। इसे स्ट्रैटोस टॉवर कहा जाता था, लेकिन यह छोटा था। और इसलिए, मूल रूप से, हेरोदेस एक शहर का निर्माण करने जा रहा है जो उसका प्रवेश बिंदु होगा, यहूदिया में रोमन संस्कृति के लिए पहुंच का बिंदु होगा।

और ऐसा करने के लिए, सबसे महत्वपूर्ण चीजों में से एक जो वह करने जा रहा है वह है एक बंदरगाह का निर्माण करना। कोई प्राकृतिक बंदरगाह नहीं है, इसलिए वह एक कृत्रिम बंदरगाह बनाता है। बेशक, जैसा कि मैंने उस विशेष स्लाइड की निचली पंक्ति में आपके लिए नोट किया है, पवित्र आत्मा की चीजों की योजना में अद्भुत उलटफेर यह है कि वह अपनी संस्कृति लाने जा रहा था, लेकिन उलटाव 180 डिग्री है क्योंकि यह कैसरिया से है सुसमाचार का संदेश उस रोमन झील के पार, और निश्चित रूप से उससे भी आगे तक जाएगा।

हेरोदेस महान की मृत्यु के बाद, हमारे पास एक और हेरोदेस भी है जो इस संदर्भ में महत्वपूर्ण होने जा रहा है, और मैं इन अंशों को इस बिंदु पर यहां रख रहा हूँ। हम वास्तव में उन्हें पढ़ने जा रहे हैं और बाद में उन्हें देखेंगे, लेकिन हमारे पास यह छोटा हेरोडियन राजवंश है जो कैसरिया के हमारे केंद्र के साथ संयोजन में दिखाई देगा। और वापस अपने प्रश्न पर: हम किसका राज्य बना रहे हैं? बस इस व्याख्यान से आगे बढ़कर चिंतन करना है।

यह आपको हेरोदेस के कैसरिया में क्या-क्या शामिल रहा होगा, उसके संदर्भ में एक छोटा सा चित्र देता है। तो, और आप उस चिन्ह को उतना ही अच्छे से पढ़ सकते हैं जितना मैं पढ़ सकता हूँ, लेकिन उसने शहर के नाम सीज़र ऑगस्टस के सम्मान में एक मंदिर बनवाया। अब, यह आकर्षक है, क्योंकि जैसा कि आप देखते हैं, यह यहीं है, ऑगस्टस और रोम का मंदिर।

इसका अध्ययन करने वाले लोगों को एक दिलचस्प बात नजर आई। यह विशेष रूप से तट की रेखा की ओर उन्मुख नहीं है। इसके बजाय, ऑगस्टस और रोम का सम्मान करने वाला यह मंदिर वास्तव में सीधे रोम की ओर उन्मुख है।

यह रोम के सामने है, और इसलिए उस मंदिर की स्थिति में भी, हम एक बयान दे रहे हैं। तो यह ध्यान देने योग्य पहली बात है। हेरोदेस ने यहाँ क्या बनाया, इसके बारे में कुछ अन्य बातें जो हम नोट करना चाहते हैं।

मैंने कहा कि बंदरगाह हमारी सबसे महत्वपूर्ण चीज़ है। कृत्रिम बंदरगाह. और इसलिए, जोसेफस हमें बताता है कि हेरोदेस ने इसका निर्माण किया था।

हमें पता चला कि बंदरगाह में जाने के लिए आपको उत्तर की ओर से प्रवेश करना होगा। यह काफी हद तक समझ में आता है। प्रचलित हवाएँ, प्रचलित हवाएँ नहीं, प्रचलित धाराएँ चीजों को इस दिशा से ला रही होंगी, है ना? प्रचलित हवाएँ पश्चिम से हैं, लेकिन उत्तर की ओर आने से यह अधिक संरक्षित क्षेत्र होगा।

इसमें रोमन बेड़े की विशाल मात्रा समा सकती थी। मैं समझता हूँ। मैं आपको क्षण भर के लिए इसके बचे हुए हिस्सों का एक एरियल दिखाऊंगा।

यह भी पता चला है कि जैसा कि जोसेफस ने इसका वर्णन किया है, और इसे पढ़ना दिलचस्प है, जैसा कि जोसेफस ने इसका वर्णन किया है, हमें पता चलता है कि यहां एक लाइटहाउस है जिसे अलेक्जेंड्रिया के प्रसिद्ध लाइटहाउस की नकल या अनुकरण माना जाता था।, रोमन दुनिया का

दूसरा सबसे बड़ा शहर। तो हमारे पास इस तरह से कुछ दिलचस्प चीजें भी चल रही हैं। इस बंदरगाह का निर्माण किया गया था।

जोसेफस हमें बताता है कि हेरोदेस ने समुद्र में पत्थर के बड़े-बड़े खंड गिराए, लेकिन जब वे वास्तव में इस चीज़ का पता लगाने के लिए पानी के नीचे पुरातत्व कर रहे थे, तो उन्हें पता चला कि हेरोदेस ने वास्तव में पानी के नीचे सीमेंट डालना था। यह जाहिरा तौर पर एक नई तकनीक थी, और उन्होंने ज्वालामुखीय सामग्रियों का उपयोग किया, इसे लाया, और जाहिर तौर पर इसमें चमड़े और शाफ्ट थे जिन्हें उन्होंने लकड़ी के ढांचे में डाला, और यह वहां कठोर हो गया। तो, पानी के भीतर इस बंदरगाह का आधार सीमेंट था, जो एक नई पानी के नीचे सीमेंट तकनीक थी।

इसके अलावा, हेरोदेस, अपनी प्रतिभा में, वास्तव में एक फ्लशिंग प्रणाली रखता है, जिससे कि तलछट जो बह जाएगी, प्रचलित धाराओं द्वारा ऊपर लाई जाएगी, सामान को पहली दीवार में छेद के माध्यम से धकेल देगी, और इससे पहले कि वह अंदर चली जाए, यह लगभग एक पानी के नीचे की कैसिमेट दीवार है, दूसरे से गुजरने से पहले, तलछट क्योंकि पानी धीमा हो गया था, वहां जमा हो जाएगा, जिसका मतलब है कि उन्हें इस क्षेत्र को अक्सर खोदने की ज़रूरत नहीं होगी। वास्तव में इसमें तकनीकी रूप से उन्नत है। तो फिर से, हम एक पल में कुछ हवाई तस्वीरें देखने जा रहे हैं जो हमें इसकी नींव का एहसास दिलाती हैं क्योंकि वे बचे हुए हैं।

मंदिर, बंदरगाह, अत्यंत महत्वपूर्ण। क्या आप नहीं जानते कि हेरोदेस ने अपना महल भी बनाया था, और उसने इसे एक पहाड़ी पर बनाया था। इसे प्रोमोटी पैलेस कहा जाता है।

यहां वास्तविक आधारशिला के संदर्भ में बहुत कम टुकड़े बचे हैं, और आप देख सकते हैं कि वहां एक पूल कहां था, लेकिन अब हमारे पास 1980 के दशक में की गई खुदाई, कुछ पुनर्निर्माण भी हैं, इसलिए हम कम से कम उसके इस हिस्से के पदचिह्न देख सकते हैं महल, और फिर वहाँ एक थिएटर भी था, इसलिए हम उस थिएटर को देखने जा रहे हैं। 1970 के दशक में जब पेरी और मैं पहली बार वहां गए थे, तो यह पूरा क्षेत्र सिर्फ रेत था। वहाँ बीजान्टिन शहर की कुछ बची हुई चीज़ें थीं।

हम क्षण भर के लिए साइट के इतिहास के बारे में बात करेंगे, लेकिन हेरोदेस के पास एक रेसिंग क्षेत्र और एक हिप्पोड्रोम था। वैसे, वहाँ भी एक है, और यह तब से उजागर हो गया है। हेरोदेस के समय में, यह इसके दोनों पक्ष रहे होंगे।

अब, 2,000 वर्षों तक समुद्र की मार झेलने के बाद, आपके पास इसका केवल यही खंड बचा है, लेकिन हमें अभी भी हेलेनिस्टिक, ग्रीको-रोमन, मुझे कहना चाहिए, शहर के एक अन्य घटक की अच्छी समझ है।

तो चलिए आगे बढ़ते हैं और कम से कम देखते हैं कि हवा से ली गई तस्वीर कैसी दिखती है। यह बहुत दानेदार है, मैं यह जानता हूँ, लेकिन यह हमारे लिए यह देखने के लिए काफी अच्छा है कि क्या हो रहा है।

अब, वहाँ एक ब्रेकवॉटर है, लेकिन यह छोटा है। आप बाहर निकल सकते हैं, इसे देख सकते हैं, तरह-तरह की मौज-मस्ती कर सकते हैं, इसमें से मछलियाँ पकड़ सकते हैं, लेकिन यहाँ उस ब्रेकवाटर के बचे हुए टुकड़े हैं जिन्हें आपने चित्र में देखा था। यहां वह प्रवेश द्वार है जहां प्रकाशस्तंभ उत्तर की ओर रहा होगा, इसलिए हम इससे भी इसकी विशालता देख रहे हैं।

यह हमें इसके बारे में यहीं एक और दृष्टिकोण प्रदान करता है, Google Earth से उठाया गया, आधुनिक ब्रेकवाटर, पुराना, प्राचीन, अब ब्रेकवाटर की पानी के नीचे की नींव, बंदरगाह का प्रवेश द्वार। तो हमारे पास यहां एक बहुत अच्छी समझ है, और यह इतना हालिया है कि आप हिप्पोड्रोम के बाईं ओर के हिस्सों को देख सकते हैं, थिएटर को यहीं देख सकते हैं, और फिर प्रोमोटेरी पैलेस के हिस्सों को, इसके पूल अनुभाग को, दाईं ओर चिपका हुआ देख सकते हैं पानी में, और महलनुमा संरचनाओं के पदचिह्न भी। वैसे, इस पर काम जारी है, और रोमा ऑगस्टस का मंदिर, जो यहां ज्यादा नहीं है, बस खंडहर और सामान है, अब उनका पुनर्निर्माण किया जा रहा है ताकि आपको स्मारकीय सीढ़ी का एहसास हो जो सभी तक जाती है वहाँ तक रास्ता।

खैर, चलिए आगे बढ़ते हैं और देखते हैं कि हमें क्या जानने की जरूरत है। ओह, क्षमा करें, मैं इसके बारे में भी भूल गया। यह 1970 का दशक है, बस आपको थोड़ा सा एहसास कराने के लिए कि क्या हो रहा है।

हार्बर क्षेत्र, जहां इस तस्वीर में एम्फीथिएटर है, अभी भी जमीन के नीचे है। 1970 के दशक में जहाँ हम साइट शब्द देखते हैं, उसके काफी पीछे बीजान्टिन सड़क के कुछ टुकड़े बचे थे और कुछ खड़ी मूर्तियाँ थीं। इसमें से बहुत कुछ अब और यहीं, हेरोदेस के प्रांतीय महल तक पहुंच योग्य है।

ठीक है। थिएटर, एम्फीथिएटर, और एक चीज़ जिस पर हमने अभी तक ध्यान नहीं दिया है; ठीक है, हमने वास्तव में इसे तब देखा था जब हमने बहुत पहले जल प्रणालियों के बारे में बात की थी, लेकिन जलसेतु के बारे में। अब, जब आपके पास इतने सारे लोग एक बड़े स्थान पर रहते हैं, और उनमें से बहुत से सैन्यकर्मी प्रतीत होते हैं, और जैसा कि हम सदियों से देख रहे हैं, रोमन उपस्थिति और दोनों के संदर्भ में, कैसरिया का एक प्रमुख स्थान था ईसाई उपस्थिति के संदर्भ में।

मेहराबों की यह पहली श्रृंखला जो आप इस तरफ देखते हैं, एक जल चैनल को यहाँ तक ले जाती है, और फिर, माउंट कार्मेल की तलहटी से पानी लाती है, जो सड़क पर एक फर का टुकड़ा है, लेकिन रोमन, इंजीनियरों को यह ग्रेड मिल गया ठीक है, इसलिए वह इसे पूरी तरह से नीचे ले आया। वह हेरोदेस के अधीन और उसके बाद की कुछ पीढ़ियों में बनाया गया था। पहला यहूदी विद्रोह, जिसके बारे में हमने मंदिर में यरूशलेम के विनाश के संदर्भ में बात की है, 70 ई. में हुआ था।

दूसरी शताब्दी में, 132 से 135 ई., 132 से 135 ई. तक, दूसरा यहूदी विद्रोह हुआ और उस विद्रोह को दबाने के लिए सम्राट हैड्रियन ने बहुत सारी रोमन सेनाएँ लायीं। वह कैसरिया में तैनात इतनी सारी रोमन सेनाओं को लेकर आया कि इस विशेष चैनल के पीछे की तरफ, उन्होंने वास्तव में आने वाले दूसरे चैनल को जोड़ दिया। यह आपको पानी की आवश्यकता और इस तथ्य का थोड़ा

सा एहसास कराता है कि वहां कोई नहीं था, और इसे लाना ही था, इसलिए उन्होंने दूसरा चैनल बनाया।

वह एक जलसेतु है। आपके पास एक और जलसेतु भी है, जो यहीं पर है। इसे निचला एकाडक्ट कहा जाता है।

यह एक ढका हुआ चैनल भी है, और इसे बीजान्टिन काल में और भी अधिक पानी लाने के लिए जोड़ा गया था, क्योंकि बीजान्टिन काल में, यह एक अत्यधिक आबादी वाला शहर था, जैसा कि हम क्षण भर में देखने जा रहे हैं। हालाँकि, ऐसा करने से पहले, आइए थिएटर पर एक नज़र डालें। जैसा कि मुझे लगता है कि हम पहले ही पता लगा चुके हैं, थिएटर किसी भी ग्रीको-रोमन शहर के लिए एक प्रमुख घटक, टेम्पलेट का एक हिस्सा था।

उनमें से अधिकांश के पास एक से अधिक थे। इस विशेष का पुनर्निर्माण किया गया है, और यह उपयोग में है। दरअसल, ये एक पुरानी तस्वीर है।

अब, हर बार जब आप कैसरिया जाते हैं, तो आपको यहां होने वाले प्रदर्शनों के लिए सभी प्रकार की उच्च तकनीकी सामग्री की एक स्थायी पृष्ठभूमि दिखाई देगी। जाहिर है, पहली शताब्दी में ऐसा नहीं हुआ होगा, और यहां तक कि 1970 के दशक में भी, हम अभी भी इन सीटों पर बैठने और यहां प्रदर्शन करने में सक्षम थे। और यदि आप वास्तव में ध्यान से देखें, तो आप यहां नीचे कुछ स्थानों पर कुछ मूल पत्थर की सीटें देख सकते हैं जिनका पुनर्निर्माण नहीं किया गया है।

लेकिन यहाँ वह है जो मैं चाहता हूँ कि हम देखें। मैंने कुछ समय पहले अधिनियम अध्याय 12 का उल्लेख किया था। इस संदर्भ में हेरोदेस अग्रिप्पा सामने आता है, और फिर मैंने जोसेफस का उल्लेख किया, जो हेरोदेस अग्रिप्पा का भी वर्णन करने जा रहा है।

तो आइए पहले मैं आपको अधिनियम 12 का अंश पढ़ता हूँ। जब पाठ हेरोदेस कहता है, तो हम यहां हेरोदेस अग्रिप्पा के बारे में बात कर रहे हैं। हेरोदेस महान घटनास्थल से बहुत दूर है।

यह वह नाम है जो जारी है। अधिनियम अध्याय 12। नियत दिन पर, हेरोदेस, अपने शाही वस्त्र पहनकर, अपने सिंहासन पर बैठा।

और वैसे, यह कैसरिया में हो रहा है। आपको शायद इसका एहसास है। उन्होंने लोगों को सार्वजनिक संबोधन दिया।

उन्होंने चिल्लाकर कहा कि यह किसी मनुष्य की नहीं बल्कि देवता की आवाज है। तुरन्त, क्योंकि हेरोदेस ने परमेश्वर की स्तुति नहीं की, यहोवा के दूत ने उसे मारा, और उसे कीड़े खा गए और वह मर गया। यह ल्यूक की उस कथा का प्रतिपादन है।

अब, आइए देखें कि जोसेफस इसे कैसे प्रस्तुत करता है। जोसेफस हमें और भी बहुत सारी जानकारी देता है। और यह बहुत अच्छा है क्योंकि हम देखते हैं, मेरा मतलब है, अधिनियमों का

उद्देश्य, जैसा कि आप जानते हैं, रोमन साम्राज्य के माध्यम से पवित्र आत्मा द्वारा सशक्त सुसमाचार के प्रसार को ट्रैक करना है।

वे हेरोदेस पर बहुत अधिक समय नहीं बिताएंगे। जोसीफस, जाहिर है, थोड़ा और विस्तृत होने जा रहा है। वह अग्रिप्पा शब्द का प्रयोग करता है।

ल्यूक ने हेरोदेस शब्द का प्रयोग किया। यह हमारा हेरोदेस अग्रिप्पा है। मुझे इसे आपके लिए पढ़ने दीजिए।

अब जब अग्रिप्पा ने सारे यहूदिया पर तीन वर्ष तक राज्य किया, तब वह कैसरिया नगर में आया, और वहां कैसर के आदर में तमाशा दिखाने लगा। दूसरे दिन उसने सम्पूर्ण चाँदी का बना हुआ वस्त्र पहिनाया। मैं एक पल के लिए रुकने जा रहा हूँ।

उस समय थिएटरों का उपयोग केवल प्रदर्शन के लिए ही नहीं किया जाता था। उनका उपयोग प्रचार के लिए किया गया था, है ना? प्रचार के लिए उपयोग किया जाता है। और इसलिए, जो चीजे हुईं उनमें बहुत सारा एजेंडा था, और यह पता चला कि अग्रिप्पा के प्रबंधकों को पता था कि उन्हें मंच के लिए कैसे तैयार किया जाए।

आइए पढ़ते रहें। उसने सम्पूर्ण चाँदी का बना हुआ वस्त्र पहिनाया। वह सुबह-सुबह थिएटर में आया, उस समय उसके परिधान की चाँदी, उस पर सूरज की किरणों के ताज़ा प्रतिबिंब से प्रकाशित होकर, आश्चर्यजनक तरीके से चमक रही थी और इतनी चमक रही थी कि उन सभी पर भय फैल गया जिसने उस पर गौर से देखा।

फिर, एक पल के लिए रुकें। सोचिए कि हमने उस तस्वीर में क्या देखा। वह मंच पर खड़ा है।

थिएटर की सभी सीटें उसके सामने लेकिन लोगों के पीछे जा रही हैं, और सूरज उनके ऊपर से उग रहा है। जैसा कि मैंने कहा, उनके मंच प्रबंधकों को ठीक-ठीक पता था कि वे जो बनाना चाहते हैं उसे बनाने के लिए क्या करना है। वर्तमान में, उसके चापलूस चिल्लाने लगे कि वह एक भगवान है, लेकिन इस पर, राजा ने न तो उन्हें डांटा और न ही उनकी चापलूसी को अस्वीकार कर दिया।

लेकिन जैसे ही उसने बाद में ऊपर देखा, उसे एक उल्लू दिखाई दिया और तुरंत समझ गया कि यह पक्षी बुरी खबर का संदेशवाहक था। फिर, उस रोमन संस्कृति में चल रहे सभी अंधविश्वासों आदि के साथ। उनके पेट में भी तेज दर्द उठा।

उसे महल में ले जाया गया और देश विदेश में यह अफवाह फैल गई कि वह कुछ ही समय में अवश्य मर जाएगा। और जब वह पाँच दिनों तक दर्द से बहुत थक गया, तो उसने इस जीवन को छोड़ दिया। अब, जो चीजे हम यहां इंगित करना चाहते हैं, वे जोसेफस द्वारा हमें बताया गए बाइबिल पाठ की पुष्टि हैं, लेकिन हम यह भी देखते हैं कि इस संदर्भ में थिएटर कैसे कार्य कर रहा है, थिएटरों का उपयोग कैसे किया जाता था, और इस मामले में, हेरोदेस ने कैसे अपना पक्ष रखने के लिए इसका उपयोग कर रहा है, निस्संदेह, इसका थोड़ा उल्टा असर हुआ।



हमारे हेरोदेस संबंधों के अलावा, हमारे पास कुछ और भी है जो ध्यान देने योग्य है क्योंकि जब हम पुरातत्व कर रहे थे तो हमने पहले ही इस विशेष टुकड़े को देख लिया था, और मैंने उल्लेख किया था कि हमारे पास एक शिलालेख है। द्वितीयक उपयोग में पाए गए एक शिलालेख का अर्थ है कि यह एक बार कुछ और करते हुए खड़ा था, शायद एक तिबेरियम के बारे में बात कर रहा था, जिसे यहूदिया के प्रीफेक्ट पॉटियस पिलाट ने दिया और समर्पित किया था, लेकिन इसे दूसरे हिस्से में एक कदम में एक पत्थर के रूप में पुनः उपयोग किया गया। जगह। वैसे, यह 1963 तक नहीं पाया गया था, लेकिन यह हमें एक बहुत ही दिलचस्प समझ देता है कि, अरे, आप जानते हैं, कि पॉटियस पिलाटे नाम का रोमन गवर्नर, जिसे यहूदिया का प्रीफेक्ट कहा जाता है, यहाँ बहुत शामिल है, और यह एक है हमारे पाठ की पुनः पुष्टि जो ल्यूक हमें बता रहा है।

सामान्यतया, लेकिन यदि आप इसे स्पष्ट रूप से नहीं देख पा रहे हैं, तो यहां इसका तिबेरियम भाग है, और यहां पॉटियस पिलाटस का पिलाटस है। हमारे पास न केवल पहली शताब्दी के दौरान वहां हमारी रोमन उपस्थिति के संदर्भ में है, हमारे पास न केवल दूसरी शताब्दी में हैड्रियन द्वारा अपनी सेनाओं के लिए प्रवेश के इस स्थान का उपयोग है, बल्कि हमारे पास चर्च भी आ रहा है। इसलिए पीटर और कॉर्नेलियस के बाद, अधिनियम अध्याय 10, पॉल के कारावास के बाद, वह कैसरिया में है, जैसा कि हम भी जानते हैं, हमारे पास न केवल चर्च का विस्तार है, बल्कि बीजान्टिन कैसरिया का विस्तार भी है।

ओरिजन और यूसेबियस, दोनों महत्वपूर्ण, बहुत महत्वपूर्ण चर्च पिता, दोनों ने कैसरिया के संदर्भ में कार्य किया, और इसलिए कैसरिया वहां एक विशाल केंद्र, बड़ा पुस्तकालय बन जाएगा। ऐसा लगता है कि ओरिजन की यहूदी समुदायों के साथ कुछ असाधारण बातचीत हुई है। इस बात के कुछ सबूत हैं कि रब्बी योचनान, जो ओरिजन के समकालीन थे, ओरिजन के चर्च फादर थे और उन दोनों के बीच व्याख्या संबंधी मुद्दों पर कुछ बार इधर-उधर बातचीत हुई थी।

और फिर, निःसंदेह, हमारे पास हमारे चर्च फादर, यूसेबियस हैं, जिन्होंने हमारे लिए इतिहास छोड़ा है और हमारे लिए वह भी छोड़ा है जिसे ओनोमेटोपोइया कहा जाता है, जो नामों की एक सूची है और भूगोल, स्थानों के नाम जानने के मामले में बहुत उपयोगी है। फिलहाल, हम कैसरिया के बारे में बस इतना ही कह रहे हैं। यह हमें थोड़ा सा स्वाद देता है, लेकिन हमें माउंट कार्मेल की ओर जाने की जरूरत है।

कार्मेल शब्द का अर्थ अंगूर का बाग है, और इसलिए कार्मेल, भगवान का अंगूर का बाग, कुछ लोग कहेंगे। आइए कम से कम इस विशेष शाफ्ट या प्रोमोटोरी के तीन खंडों का नक्शा बनाएं जो सीधे भूमध्य सागर में जा रहे हैं। सबसे पहले हम यही देखते हैं।

और सभी इरादों और उद्देश्यों के लिए, माउंट कार्मेल उचित है, है ना? इसकी ऊँचाई के कारण यह ऊँचा प्रांत है, इस तथ्य के कारण कि यह अधिक दूर पश्चिम में है, यहाँ पर्याप्त मात्रा में वर्षा होने वाली है। मैं चाहता हूँ कि आप इसके बारे में सोचें क्योंकि हम एक क्षण में इस पर वापस लौटने वाले हैं। फिर, दक्षिण और पूर्व की ओर बढ़ते हुए, हमारे पास एक और शेफेला क्षेत्र है।

हमने यहां यहूदा में एक देखा। अब हमारे पास कार्मेल का शेफेला है। विभिन्न प्रकार का भूविज्ञान।

अभी भी घटिया चीज़ है, लेकिन उतना अच्छा नहीं जितना आप कह सकते हैं। वास्तव में, आप माउंट कार्मेल के इस खंड से यहां तक ड्राइव कर सकते हैं और चीजों को बदलते हुए देख सकते हैं, वनस्पति को बदलते हुए देख सकते हैं। इसमें कोई आश्चर्य नहीं।

और फिर, यहाँ नीचे, हमारे कठोर चूना पत्थर का एक तीसरा खंड। यह यहां से नीचे है, और यह सुदूर पूर्व में है, इसलिए हमें यह उतना हरा-भरा नहीं लगता जितना कि माउंट कार्मेल का उचित क्षेत्र है। बस हमें दूरी से यह अंदाज़ा देने के लिए कि यह कितना संभावित अवरोध है, हम वास्तव में माउंट कार्मेल के उत्तर में खड़े हैं, और हम यहीं एको खाड़ी को देख रहे हैं, और यहाँ भूमध्य सागर में सीधे फैला हुआ प्रांत है समुद्र।

यह वास्तव में हमारा एकमात्र प्राकृतिक संभावित बंदरगाह, अक्को खाड़ी है, और हम अक्को में खड़े हैं, जो कि इंटरस्टेस्टामेंटल अवधि में भी टॉलेमीस के नाम से जाना जाता है, जिसका नाम टॉलेमी के नाम पर रखा गया है। लेकिन जब हम इस संदर्भ में सामने आने वाली कुछ घटनाओं की अधिक विस्तार से खोज करना शुरू करते हैं तो इसे अपने दिमाग में रखें। आप देखिए, हम यहीं उस आखिरी तस्वीर के लिए थे, वहीं, इस खाड़ी क्षेत्र को देखते हुए।

हम बार-बार इस तथ्य पर लौटते हैं कि यह बीच की भूमि है। और, ठीक है, सड़क ऐसे ही चलती है, यह सब अच्छा है, लेकिन आप उस बाधा तक पहुंच जाते हैं। हमने इसकी तस्वीर देखी है।

आप वहां से कैसे पहुंचेंगे, या तो यहां से सोर, सीदोन, फीनिशिया तक, या गलील सागर के पार दमिश्क, अश्शूर, बेबीलोन, आदि तक जाएंगे? आप इस विशेष बाधा से कैसे पार पाते हैं? अच्छा तो हम चलते हैं। यहीं पर भूविज्ञान स्तंभ बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि हमें याद होगा कि हरे पदार्थ के बीच, जो कि कठोर चूना पत्थर है, एक मध्यवर्ती भूवैज्ञानिक काल में, चाक की एक परत बिछी हुई थी। फिर से, इन्हें याद करते हुए क्षैतिज बिस्तर बिछाया गया, और फिर बाद में, इन्हें ऊपर उठाया गया, दोषपूर्ण किया गया, और एंटीक्लाइंस और सिंकलाइन्स में स्थानांतरित कर दिया गया।

संपूर्ण मुद्दा यह है कि आपको एक बिंदु पर चाक की एक परत, इस और इसके बीच, और उस नरम चूना पत्थर और इस अन्य ब्लॉक के बीच एक और परत मिल गई है। चाक बहुत तेजी से घिसता है क्योंकि यह नरम होता है, और इसलिए यह एक मार्ग बना देगा। यह अधिक ऊबड़-खाबड़, थोड़ा अधिक ऊबड़-खाबड़, निचला क्षेत्र है।

इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि प्राचीन काल में, और आज भी, हमारे मुख्य मार्ग उन्हीं चाक दर्रों से होकर गुजरते हैं। तो आपके पास एक प्रमुख राजमार्ग है, जो इज़राइल में रूट 6 है, एक टोल रोड है, यहाँ तक आता है और ठीक उस विशेष चॉक पास से होकर गुजरता है। तो ध्यान रखें, वहाँ जोकेम है, वैसे, वह यहाँ इस चॉक पास की रक्षा करेगा।

यदि कोई फ़ीनिशिया तक जाना चाहता है, तो उन्हें उस रास्ते से जाना होगा और फिर सीधे यहीं जाना होगा। यह मेगिदो है. तो आप इस दर्रे से होकर आएं, मेगिदो पहुंचेंगे, और फिर तय करेंगे कि आपका लक्ष्य या आपकी मंजिल क्या है, इसके संदर्भ में आप आगे क्या करना चाहते हैं।

एक और जो महत्वपूर्ण है, और वह सिर्फ एक दर्रा नहीं है, बल्कि पूरा घाटी क्षेत्र है। यह व्यापक है, आप देख सकते हैं कि यह थोड़ा और फैला हुआ है, और यहां थोड़ी अधिक अव्यवस्था है। हम बाद में यिज्जेल घाटी के बारे में बात करने जा रहे हैं, लेकिन हमें एक घाटी मिली है, और इसका नाम डोटन नामक शहर के नाम पर रखा गया है, और यदि आप उत्पत्ति 37 पढ़ते हैं, तो यह वास्तव में दिलचस्प चीज़ है।

जब आपके पास जोसेफ है, जिसे उसके पिता ने भाइयों की देखभाल के लिए भेजा था, तो उसके सौतेले भाई भेड़-बकरियों को चरा रहे हैं। जोसेफ अभी भी घर वापस आया है। चूँकि यह सूखता जा रहा है, वे हेब्रोन से यहाँ नीचे जाते हैं, और वे पहले शकेम जाते हैं, और जब यूसुफ उन्हें पकड़ लेता है, तो पता चलता है कि वे अब शकेम में नहीं हैं।

ओह, देखो, वे दोतान की ओर चले गए हैं। ईश्वर की व्यवस्था में, वह यहीं उन्हें पकड़ लेता है, और आप कह रहे हैं, क्या? यहाँ क्या है. यह बैरियर, डोटन घाटी, और इस मामले में, संभवतः यहां और फिर पूर्व की ओर जाने के प्रमुख तरीकों में से एक होगा।

वह महत्वपूर्ण क्यों है? खैर, मैंने इसे इस मानचित्र पर पीछे की ओर खोजा है। हमें उत्पत्ति 37 में इश्माएली मिद्यानी व्यापारियों का एक दल मिला है, है ना। वे मिस्र की ओर जा रहे हैं।

ओह, ठीक है, वे बस यही रास्ता अपनाते हैं। हम थोड़ी देर में हेरोदेस घाटी के बारे में बात करेंगे। वे इस रास्ते पर जाते हैं, और मेगिदो की ओर जाने के बजाय, वे इस घाटी से होकर जाने वाले हैं, जो माउंट कार्मेल की बाधा के दक्षिणपूर्वी छोर के चारों ओर एक रास्ता है और वहां के मार्ग से जुड़ता है, और क्या यह परमेश्वर के विधान में आकर्षक नहीं है कि वे यहीं हैं जब यूसुफ एक कुंड में अपने भाइयों के फैसले का इंतजार कर रहा है कि उसके साथ क्या करना है। वे उसे उठा लेते हैं.

वे मिस्र जाते हैं, और उसके बाद उनके मिस्र आने और इसके बाद और निर्वासन तक यह एक अद्भुत कहानी है। यहां हमारे मूल रूप से भूवैज्ञानिक मानचित्र के संदर्भ में एक और बात ध्यान देने योग्य है। हमारे माउंट कार्मेल प्रांत के उत्तर-पूर्व की ओर, हम इस मानचित्र को देखने जा रहे हैं, जिस तरह से यह हिब्रू के अंग्रेजी लिप्यंतरण का उपयोग करता है, और इसलिए क्यू और के को फिर से बदल दिया गया है।

यह किशोन घाटी है, लेकिन हमारे पास किशोन ब्रुक है, और यह वहां की वह नीली चीज़ है जो न केवल माउंट कार्मेल के उत्तरपूर्वी किनारे से बहती है, बल्कि वास्तव में पूरी यिज्जेल घाटी को बहा देती है। यह उन चीजों में से एक है जिसकी सहायक नदियाँ पूरी यिज्जेल घाटी में फैली हुई हैं। यह महत्वपूर्ण होगा.

तो आइए देखें कि हम इन सबके साथ क्या कर सकते हैं। सबसे पहले, इज़राइल के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अवधि एलिय्याह का मंत्रालय होने जा रही है, और मैं सबसे पहले इस पर ध्यान केंद्रित करना चाहता हूँ क्योंकि यह हमारे लिए एक संबंध बनाने जा रहा है। वैसे, अन्य घटनाएं भी होती हैं।

हम उनके पास वापस आएँगे, लेकिन यह हमारे पिछले अध्ययन के सामरिया और फेनिशिया के बीच एक संबंध बनाने जा रहा है, वास्तव में एक महत्वपूर्ण संबंध, और यह माउंट कार्मेल में होता है। एलिजा का प्यारा आइकन, वैसे, उस आइकन को पसंद करना होगा क्योंकि यहां एलिजा को खाना खिलाया जा रहा है, ठीक है, ज्यादातर अनुवादों में कौवे कहते हैं, और वहां झरना और पानी है, ब्रुक केरिथ और पानी है, लेकिन हिब्रू शब्द रेवेन के लिए है या कौवा ओरेव है, और वहां स्वर्णों को थोड़ा सा घुमाकर, अरव किया जा सकता है, और ऐसा हो सकता है कि पाठ हमें बता रहा है कि यह पक्षी नहीं थे जो एलिय्याह को खाना खिलाते थे, हो सकता है, लेकिन यह स्थानीय जनजातियाँ हो सकती हैं, अरविम, जो एलिय्याह को भोजन कराने आ रहे हैं। इन राजाओं की कहानियों में अरविम नामक लोगों के समूहों के अन्य संदर्भ भी हैं, लेकिन यह थोड़ा अलग है।

यहां हमारा मुख्य मुद्दा यह है कि अब, जैसा कि हमने कहा है, अहाब, इज़ेबेल और बाल की पूजा, सामरिया में राज्य धर्म है, जिसका अर्थ उत्तरी साम्राज्य है। एक बहुत ही दिलचस्प चीज़ पर ध्यान दें जिसे हम यहां डाल सकते हैं। यद्यपि यह उत्तरी राज्य है, जो परमेश्वर की दृष्टि में घृणित और घृणित हर चीज़ से भरा हुआ है, फिर भी वह उनके पास एक भविष्यवक्ता भेजता है।

जब वह बाद में होशे और अमोस को भेजेगा तो वह भी ऐसा ही करेगा, लेकिन यहां वह एलिय्याह को भेज रहा है। बाल, केवल अपने आप को याद दिलाने के लिए, बाल, स्वामी, वह देवता थे जिन्होंने कनानी पंथियन पौराणिक कथाओं में बारिश, गरज, तूफान और ऐसे क्षेत्र को नियंत्रित किया था जो अकाल के अधीन हो सकता था। बाल की पूजा करना बेहद महत्वपूर्ण और बेहद आकर्षक था, क्योंकि अगर आपके पास बारिश है, तो आपको कृषि उत्पादकता भी मिली है।

यदि आपके पास कृषि उत्पादकता है, तो आपको आर्थिक सुरक्षा भी है। तो एक अविश्वसनीय प्रलोभन, और उत्तरी साम्राज्य में चल रही अन्य चीजों के अलावा, जैसे सुनहरे बछड़ों और चीजों की पूजा, बाल पूजा फेनिशिया से आती है, और फेनिशिया एक स्पष्ट स्थान है जहां से यह सामान लाया जा सकता है, क्योंकि वे रहते हैं ठीक समुद्र तट पर, और इसलिए वे उन चीजों का बहुत ध्यान रखेंगे। खैर, 1 राजा 17, एलिय्याह टीशबाइट आता है और देश में अकाल की घोषणा करता है।

यह गंभीर व्यवसाय होने जा रहा है। वह पहले ट्रांसजॉर्डन में छिपता है, जैसा कि इससे पता चलता है, और फिर वह वास्तव में बाल के क्षेत्र में चला जाता है। वह फेनिशिया में छिपा है और वहां होने वाली घटनाएं भी उतनी ही दिलचस्प हैं।

हम समय बर्बाद नहीं करेंगे, क्योंकि ईश्वर के निर्देशन में वह आगे जो करता है वह अहाब के नौकर ओबद्याह को खोजने के लिए उत्तरी राज्य में वापस जाना है और कहना है, ठीक है, मेरे

लिए अहाब से मिलने का समय हो गया है। वे कार्मेल पर्वत पर एक साथ आते हैं। बस इस संदर्भ में एक अनुस्मारक कि यह इतना महत्वपूर्ण स्थान क्यों है।

यहां फिर से मानचित्र का एक और संस्करण है, और हम कार्मेल की ऊंचाई देखते हैं। हम उसका उत्थान देखते हैं। हमने 32 इंच बारिश देखी है।

हम जानते हैं कि इसका मतलब यह है कि यह बहुत उपजाऊ है। हम भी जानते हैं, और कृपया मेरी बात मानें; मैं वापस जा रहा हूँ और यहाँ राजा की कहानियाँ पढ़ूँगा। जब तक हम इतिहास के इस काल में पहुँचते हैं, ओमरी, अहाब आदि, वे जनजातियाँ, विशेष रूप से, अशूर की जनजाति, अशूर की जनजाति भूमध्यसागरीय तट के ठीक आसपास कार्मेल से उसके दक्षिण के बीच के इस क्षेत्र में बस चुकी थीं। और फेनिशिया।

अशूर की उस जनजाति में कुछ दिलचस्प घटित हुआ था। सुलैमान ने वास्तव में अशूर के इस जनजातीय क्षेत्र में कुछ शहर सोर के राजा हीराम को दे दिए थे, और ऐसा लगता है कि यह निरंतर नियंत्रण रहा है। आपको बस थोड़ा सा सोचने और पहचानने की जरूरत है कि यदि आपके पास शहरों पर फोनीशियन नियंत्रण है, तो यहां से रिसाव और सांस्कृतिक रिसाव होने वाला है।

तो आप लगभग अनुमान लगा सकते हैं कि जब तक हम उस अवधि तक पहुँचते हैं जिसके बारे में हम बात कर रहे हैं, माउंट कार्मेल क्योंकि यह एक भौगोलिक सीमा है, यह एक सीमा की तरह महसूस होता है, यह एक बाधा है। यह संभवतया अब यहां ऊपर इजराइल, उत्तरी साम्राज्य और फेनिशिया के बीच वास्तविक सीमा है क्योंकि फेनिशिया ने नीचे की ओर अपना रास्ता बना लिया है। तो वहाँ सामरिया है, वहाँ फ़ोनीशियन क्षेत्र है, और यहाँ हमारी दो सांस्कृतिक चीज़ें एक साथ आ रही हैं, और वे टकराने जा रही हैं, और वे इसे माउंट कार्मेल में करने जा रहे हैं, जो एक आदर्श मंच है।

यह उत्तम अवस्था क्यों है? खैर, यह बाल का क्षेत्र है। यह आमतौर पर हरा-भरा है, और वे सभी चीज़ें हैं जो कृषि उत्पादकता से जुड़ी हैं, लेकिन भूमि में अकाल पड़ गया है। वहां भू-राजनीतिक संभावित टकराव के कारण यह एक आदर्श मंच है।

तो देखते हैं क्या होता है। सबसे पहले, इस संदर्भ में, अब हमारे पास एक बहुत ही सुंदर, प्यारा कार्मेललाइट मठ है, और उन्होंने एलिजा घटना की स्मृति में एक मूर्ति लगाई है। तो यह यहाँ है।

जैसे ही आप 1 राजा 18 पढ़ते हैं, लोग दुविधा में पड़ जाते हैं। वास्तव में, जब आप हिब्रू पढ़ते हैं, तो यह बहुत दिलचस्प होता है। एलिय्याह ने उन से कहा, तुम डाली पर क्यों झूलते हो? ठीक है, मूलतः वे बाड़ पर सवार हैं।

एलिय्याह तैयारी करता है और तैयार करता है, और यह भौगोलिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वह क्या कर रहा है? वह इस सब पर पानी बहा रहा है। इस समय तक हमारे यहां साढ़े तीन साल का अकाल पड़ चुका है। अमोस अध्याय एक और नहूम अध्याय एक को याद करते हुए, यह कहता है कि जब कार्मेल का शीर्ष सूख जाता है, तो चीज़ें खराब हो जाती हैं।

ठीक है, यहीं मामला है, और फिर भी यहां एलिय्याह अपनी बारी आने पर पूरे बलिदान पर पानी डालकर तैयारी कर रहा है, क्योंकि निश्चित रूप से बाल और अशोरा के भविष्यवक्ता वह नहीं कर पाए हैं जो उन्हें करना चाहिए था करने के लिए उनके मन. प्रभु स्वर्ग से अग्नि से उत्तर देते हैं। लोग कहते हैं, प्रभु, वह परमेश्वर है।

बाल के सभी भविष्यवक्ता कहाँ ले जाये गये? बाल के सब भविष्यद्वक्ताओं को पकड़ो, उन्हें कीशोन के नाले में ले जाओ, और वहीं उन्हें मार डाला जाए। इसीलिए जब हम भूगोल के माध्यम से अपने रास्ते पर चले तो हमने किशोन की ओर इशारा किया, क्योंकि मूल रूप से यहां क्या हो रहा है, और हम शायद थोड़ा प्रतीकात्मक रूप से सोचना चाहते हैं, लेकिन वह पानी जो पूरी यिज़ेल घाटी को बहा रहा है, उसे बहा ले जा रहा है, वह भी खत्म होने वाला है प्रतीकात्मक रूप से कहें तो गंदगी को समुद्र में बहा दें, और निस्संदेह समुद्र के कई नकारात्मक अर्थ हैं, इस संदर्भ में कि वहां रसातल में किस प्रकार की बुराइयां अराजकता में रहती हैं। परन्तु बाल के सब भविष्यद्वक्ता, व्यवस्थाविवरण 13, झूठे भविष्यद्वक्ता वहां गिरा दिए जाते हैं, और वे मारे जाते हैं।

ठीक है, हम एलिय्याह को छोड़ देंगे, भले ही माउंट सिनाई तक वापस जाने के लिए उसकी उड़ान बहुत महत्वपूर्ण है, और वहां उसकी नियुक्ति भी बहुत महत्वपूर्ण है। शेरोन प्लेन और माउंट कार्मेल के संदर्भ में यह पर्याप्त है। अब हम इस व्याख्यान के तीसरे खंड के रूप में जेज़ेल वैली करने जा रहे हैं।

तो हम यहां आए हैं, हमने इसे एक बाधा के रूप में निपटाया है, लेकिन एक बहुत ही महत्वपूर्ण मंच के रूप में भी, और अब इससे पहले कि मैं इस मानचित्र पर सब कुछ डालना शुरू करूं, बस इसके आकार पर एक नज़र डालें, क्योंकि यदि आप थोड़ा योजनाबद्ध तरीके से सोचें, आपको एक तीर का सिरा दिखाई देता है, और आप उस चीज़ से देखते हैं जो हेरोदेस घाटी को चिह्नित करती है, तीर के सिर का एक शाफ्ट। उस पर टिके रहें क्योंकि, सभी इरादों और उद्देश्यों के लिए, इस संदर्भ में हमारे बीच एक के बाद एक युद्ध होते रहते हैं। हालाँकि, इससे पहले कि हम वहाँ पहुँचें, दिलचस्प बात यह है कि यहीं पर जेज़ेल नामक एक साइट है।

हम एक क्षण में उस पर लौटेंगे। यह, केवल रिकॉर्ड के लिए, वह स्थान है जहां ईज़ेबेल थी और माउंट कार्मेल पर हमारे टकराव के बाद अहाब अपने रथ पर सवार था, और एलिजा की प्रार्थना के जवाब में वास्तव में बारिश शुरू हो गई थी। तो यिज़ेल यहीं इसी स्थान पर है।

बस हमारी सीमाएं पाने के लिए, उत्तर में, नाज़रेथ रिज। ऐसा इसलिए है क्योंकि वहां नाज़रेथ नाम का एक छोटा सा शहर है। हम बाद में उस पर भी लौटेंगे।

हमारे पास यहीं एक अनुभाग है। यह उस चीज़ से अधिक है जो नरम चूना पत्थर है। तो नाज़रेथ रिज, मुलायम चूना पत्थर, उत्तरी सीमा।

दक्षिण-पश्चिम में, यिज़ेल घाटी की सीमा के संदर्भ में, हमें माउंट कार्मेल और फिर हमारा झरना मिला है। पूर्व की ओर, और ये यहां सामने आने वाली कुछ चीज़ों के संदर्भ में बेहद महत्वपूर्ण होने जा रहे हैं, आपके पास थोड़ा सा उभार है। यह ठीक यहाँ है।

इसे माउंट ताबोर या टेवर कहा जाता है। हम उस पर एक से अधिक बार लौटेंगे। दक्षिण की ओर जाएं तो यहीं हमारा तीर का सिरा है।

हमारे पास माउंट मोरे है, ठीक वहीं पर। और फिर शाफ्ट के पार, हमारे पास माउंट गिल्बोआ है, और उसके बाद हुररोड घाटी हमारा तीर शाफ्ट है। तो फिर, एक तीर का सिरा देखें और उसे इस घाटी की प्रकृति के संकेतक के रूप में अक्सर उपयोग करें।

वैसे, ऐसा न हो कि हम यह सोचें कि यह केवल युद्ध का मैदान है। इसके अलावा, भले ही यह कभी-कभी क्षेत्रों में दलदली हो, अब यहां कृषि उर्वरता भी बहुत अधिक है। आइए प्रमुख शहरों के बारे में जानें।

आपमें से जो लोग क्षेत्रीय अध्ययन मानचित्र बना रहे हैं, उनके लिए यह उन मानचित्रों में से एक है। यह वास्तव में गलील का नक्शा है, इसलिए इससे हमें थोड़ी मदद मिलेगी। लेकिन मेगिदो, मेगिदो, वहीं।

एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूगोलवेत्ता जिनका नाम जॉर्ज एडम स्मिथ है, उन्होंने 19वीं सदी के अंत में लिखा था। ऐसा अच्छा, जिसे पवित्र भूमि का ऐतिहासिक भूगोल कहा जाता है। इतनी अच्छी किताब.

मेगिदो को इतिहास के महान थिएटरों में से एक शाही बक्सा कहा जाता है। और इसलिए वह यहीं इस क्षेत्र को पढ़ रहा है जिसे हमने युद्ध का मैदान और थिएटर भी कहा है। और मेगिदो, अपने स्थान के लिए, उन सभी को देखने वाला शाही बॉक्स है।

जेज़्रेल, हम पहले ही बता चुके हैं, यही वह स्थान है। तो बस वापस डायल करने के लिए जहां हम एक पल पहले थे, एलिय्याह और बाल और अशोरा के भविष्यवक्ताओं के बीच टकराव यहाँ है। और तुम अहाब को इस रथ पर सवार करोगे, एलिय्याह साथ चल रहा होगा, और वे दोनों यिज़्रेल पहुँचेंगे।

वहां क्या होता है, उसके संदर्भ में आप कथा पढ़ सकते हैं। नाज़रेथ. अब, नाज़रेथ यिज़्रेल घाटी में नहीं है।

यह सीधे तौर पर इसके निकट नहीं है, लेकिन यह हमारे लिए महत्वपूर्ण है। तो जब हम नाज़रेथ की ओर इशारा कर रहे हैं तो हम यहीं हैं। जब हम अपने अगले व्याख्यान में गैलील का अध्ययन करेंगे, तो हम नाज़रेथ के साथ और अधिक करने जा रहे हैं, लेकिन मैं इसे यहां एक उद्देश्य के लिए रख रहा हूँ, मुझे आशा है कि यह एक पल में आपके लिए स्पष्ट हो जाएगा।

खैर, यह एंडोर नामक स्थान जितना प्रसिद्ध नहीं हो सकता है, लेकिन आइए देखें कि क्या हम इसे मानचित्र पर ला सकते हैं। वहाँ है। यदि आप यहीं एक लाल तारांकन देखते हैं, तो एंडोर उस तारांकन के थोड़ा उत्तर और पूर्व में है।

ठीक है। मुझे आशा है कि मैं एंडोर के महत्व पर वापस आऊंगा। अब, आप जानते हैं क्या? मैं इसे अभी करने जा रहा हूँ क्योंकि जैसा कि हम इसके बारे में बात करते हैं, यहां मानचित्र का होना अच्छा है।

इस बिंदु पर थोड़ा सा ऐतिहासिक विषयांतर है। जब शाऊल, अपने जीवन के अंत में, एक बार फिर पलिशियों से भिड़ गया, तो हालात बद से बदतर होते गए। पलिशियों ने तटीय मैदान पर चढ़ाई कर दी है।

वे इस बाधा से गुजर चुके हैं। वे यिज्जेल घाटी को पार कर गए हैं। वास्तव में उनके पास बीट शान नामक स्थान पर एक मंदिर है, जिसके बारे में हम एक अन्य व्याख्यान में अध्ययन करने जा रहे हैं।

इसलिए वे इस सब पर नियंत्रण रखते हैं। जीवन आसान नहीं है। शाऊल और उसके पुत्र गिलबो पर्वत पर उड़े डाले हुए हैं।

वह यहीं है। फिर से, मैं थोड़ी देर में इसका उल्लेख प्रिंट में करने जा रहा हूँ, लेकिन मुझे लगता है कि इससे हमें मानचित्र देखने में मदद मिलेगी क्योंकि हम कथा की मूल बातों के बारे में बात कर रहे हैं। शाऊल हताश है।

तुम्हें यहाँ हर जगह फ़िलिस्तीनी मिले हैं। कहते हैं, वे माउंट मोरे की ढलान पर हैं। याद रखें, ताबोर, मोरे, गिल्बोआ।

शाऊल क्या करने जा रहा है? वह भगवान से परामर्श करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन उसे कोई उत्तर नहीं मिल रहा है। और इसलिए, निश्चित रूप से, यदि आप 1 शमूएल 28 में उस कथा को जानते हैं, तो वह भेजता है, अरे नहीं, वह खुद को भेष बदल लेता है, और वह एक चुड़ैल के पास जाता है, एक चुड़ैल जो एंडोर में रहती है। क्या आप समझ रहे हैं कि यहाँ क्या हो रहा है? शाऊल इतना हताश है कि वह शत्रु रेखाओं के पीछे चला जाता है।

ये शत्रु रेखाएं हैं। वह शत्रु रेखाओं के पीछे चला जाता है। क्या यह चुड़ैल है, और वैसे, सभी चुड़ैलों, माध्यमों और भविष्यवक्ताओं को देश से प्रतिबंधित कर दिया गया था, लेकिन वह जाता है, फिर भी उसे ढूँढ लेता है, और वह उसे इस आशय का एक बहुत ही गंभीर संदेश देती है कि वह ऐसा करने जा रहा है अगले दिन मर जाना।

लेकिन हमारा उद्देश्य मानचित्र को देखकर उस हताशा को पहचानना है जो शाऊल ने जो किया है उसमें स्पष्ट है। शाऊल से तेजी से आगे बढ़ते हुए, फिर से, अब स्थानों के बारे में सोचते हुए, कोई सुसंगत ऐतिहासिक कथा नहीं, बल्कि वे स्थान जो यहाँ महत्वपूर्ण हैं। हमारे पास शुनेम नामक एक स्थान है।

शुनेम का उल्लेख पलिशियों के साथ संयोजन में किया जाता है, वह कथा जो मैंने अभी आपको बताई थी, लेकिन यह किसी और चीज़ के लिए अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि, आप देखते हैं, यह शुनेम में है कि हमारे पास एक पैगंबर है जो एलिय्याह का उत्तराधिकारी है। इसका नाम एलीशा



है, और आप भी मेरी तरह कहानियाँ पढ़ सकते हैं। हमारे पास 2 राजा हैं, हमारे पास एक महिला और उसका पति है जो मूल रूप से बिस्तर और नाश्ता बनाते हैं, समकालीन शब्दावली के लिए क्षमा करें, एलीशा के लिए जब भी वह यात्रा कर रहा होता है।

और इसलिए वह उन पर कुछ एहसान करना चाहता है। वह कहता है, तुम क्या चाहते हो? और इसलिए यह पता चला कि उनका कोई बेटा नहीं है। लंबी कहानी संक्षेप में, उनका एक बेटा है, लेकिन चूंकि बेटा शायद 12 से 15 साल या उसके आसपास का होगा, इसलिए उसकी मृत्यु हो जाती है।

और जब ऐसा होता है, एलीशा कार्मेल पर्वत पर वापस आ जाता है। ऐसा प्रतीत होता है कि भविष्यवक्ता वहाँ गये थे। और शूनेम की स्त्री अपने दुःख और विश्वास के कारण यिज़्रल घाटी को पार करके एलीशा के पास उसके सेवक गेहजी के पास गई, और सहायता माँगी।

वह वापस आता है और शूनेमाइट महिला के मृत बेटे को उठाता है। मैं उस आख्यान में क्यों गया हूँ? खैर, नए नियम में, यह ल्यूक अध्याय 7 है। हमारे पास नैन नामक स्थान पर कुछ घटित हो रहा है। केवल ल्यूक ने इसे रिकॉर्ड किया है, जो वाकई दिलचस्प है।

और ल्यूक हमें बताएगा कि यीशु इस गांव में कैसे जा रहे हैं। वह इसके करीब आ रहा है। और यहाँ एक जुलूस निकल रहा है क्योंकि नैन से एक विधवा का मृत पुत्र निकल रहा है।

यीशु ऊपर जायेंगे और अर्थी को छुयेंगे। नवयुवक मृतकों में से जी उठेगा। और लोग चिल्लाते हैं, हमारे बीच में एक भविष्यद्वक्ता है।

और यह वास्तव में दिलचस्प है क्योंकि शायद उनके दिल और दिमाग में यह परंपरा है, कम से कम उनमें से कुछ के पास है, कि कोने के आसपास, स्पष्ट रूप से पहाड़ के चारों ओर, हमारे पास उससे पहले सात शताब्दियों, आठ शताब्दियों पहले, का उत्थान था शूनेमी स्त्री का पुत्र मरे हुआ में से और वैसे ही यहाँ भी। वैसे, नाज़रेथ, अपने स्थान में, आकर्षक है क्योंकि आपको बस इतिहास के रंगमंच में इस महान शाही बक्से को देखना है और महसूस करना है कि यह केवल इतना ही नहीं है, बल्कि यह यीशु का पिछवाड़ा था, है ना? उसे इस क्षेत्र में हुई इन सभी घटनाओं की जानकारी होगी। जाहिर तौर पर वह उन्हें कई तरीकों से जानता था, लेकिन एक युवा के रूप में बड़े होने पर भी, मानवीय पहलू बढ़ने पर, वह इन कहानियों और उन सभी चीजों को जानता होगा जो वहाँ हो रही थीं।

इसी तरह, आइए मान लें कि उनके श्रोता, भले ही यीशु नहीं, उनकी ऐतिहासिक परंपरा को जानते होंगे, और इसलिए, फिर से, हमारे बीच एक पैगंबर उठ खड़ा हुआ है। खैर, हम इनके बारे में पहले ही बात कर चुके हैं, इसलिए अब इन्हें कुछ क्रम में लाने के लिए, हम इस संदर्भ में मिस्र से कभी भी नज़र नहीं हटाना चाहेंगे। इसलिए भले ही 18वें राजवंश थुटमोस III का बाइबिल पाठ में बिल्कुल भी उल्लेख नहीं किया गया है, हम यहाँ 1400 ईसा पूर्व की बात कर रहे हैं, वह कनान में एक बड़ा आक्रमण करने जा रहा है क्योंकि वह मेगिदो को चाहता था और उसने वास्तव में इसके बारे में लिखा था।

आप मेगिदो के लिए उसकी लड़ाई के बारे में सब कुछ पढ़ सकते हैं, उसने उस पर कब्ज़ा कैसे किया, और कार्मेल रेंज से कौन सा मार्ग लेने का उसने फैसला किया। यह एक आकर्षक भौगोलिक कथा है। लेकिन बाइबिल सामग्री की ओर बढ़ते हुए, हमें देबोराह और बराक, न्यायाधीश अध्याय चार और पांच मिले हैं।

देख, यह युद्ध सीसरा के विरुद्ध है, जो हासोर के राजा याबीन की सेना का प्रधान है। यह उत्तरी राज्य की बात है। लेकिन जेज़्रेल घाटी के संदर्भ में, यहां थंबनेल स्केच है।

हमें पता चला कि इस्राएली ताबोर पर्वत पर डेरा डाले हुए हैं। वे पहाड़ों पर हैं। सीसरा के पास लोहे के रथ हैं, वे यिज़्रेल घाटी में हैं।

लेकिन जब आप जजेस फाइव में कविता पढ़ते हैं, तो हमें कुछ समझ आता है कि क्या हुआ था। क्योंकि वह कविता कहती है कि तारे अपने मार्ग से लड़े, और शत्रु सेना शक्तिशाली किशोन द्वारा नष्ट कर दी गई। जब हम दो और दो को एक साथ रखते हैं, और यह प्रभु ही है, जो फिर से लड़ाई जीत रहा है।

जैसे ही इस्राएली माउंट ताबोर से नीचे उतरेंगे, कनानी सेनाएं, भले ही उन्हें लोहे के रथों में तकनीकी लाभ मिला हो, यिज़्रेल घाटी की कीचड़ में फंसने वाली हैं। क्या आपको याद है मैंने कहा था कि यिज़्रेल घाटी थोड़ी गंदी हो सकती है? समृद्ध मिट्टी, एक प्रकार की कीचड़युक्त। ऐसा लगता है कि यही हो रहा है।

ऐसा प्रतीत होता है कि सीसरा पैदल ही भाग रहा है। और फिर, निःसंदेह, जब हम जज चार में गद्य कथा पढ़ना जारी रखते हैं, तो हम देखते हैं कि वह येल, या जेल नाम की एक महिला के कारण अपना जीवन खो देता है। खैर, इसमें और भी बहुत कुछ है, लेकिन फिर, इसके लिए हमारा संदर्भ यही है।

आप में से कुछ लोग जो अपने मानचित्रों को चिह्नित कर रहे हैं, वे उस विवरण को वहां डाल रहे होंगे। हमारे पास मिद्यानियों के विरुद्ध गिदोन, गिदोन की कहानी है। वह लड़ाई भी होने वाली है।

यह हेरोद के झरने पर घटित होने जा रहा है, हेरोद का नाम हेरोद घाटी से लिया गया है, जो ठीक गिलबोआ पर्वत की तलहटी में है। और हम मोरे पर्वत पर मिद्यानी लोगों को वहाँ डेरा डाले हुए देखते हैं। तो, फिर से, बस इन ऐतिहासिक बाइबिल कथाओं को अपने सामने रखें, और जैसे ही आप उन्हें पढ़ते हैं, आपको अपनी बाइबिल और अपने मानचित्र को एक साथ खोलकर ऐसा करना होगा।

हमने उल्लेख किया है कि यह अत्यंत महत्वपूर्ण है। पलिशतियों ने विचिट एंडोर तक पहुंचने के लिए दुश्मन की रेखाओं के पीछे जाते देखा, और फिर दुख की बात है कि अध्याय 31, शाऊल और जोनाथन गिलबोआ पर्वत पर मर रहे थे। और स्पष्ट रूप से, एक बार जब आप इसे पढ़ना समाप्त कर लेते हैं, तो हमें यह समझ में आ जाता है कि पलिशतियों का इस देश पर लगभग पूर्ण नियंत्रण है, लगभग पूरा नियंत्रण।

इस्राएली दाएँ-बाएँ भाग रहे हैं। उस भयानक समय से काफी आगे बढ़ें। इस बीच, हमने दाऊद के अधीन राज्य का एकीकरण सुलैमान को सौंप दिया है।

सुलैमान गेजर को दृढ़ करेगा। हमने यह पहले ही सीख लिया है। मेगिदो, यह यहाँ है।

और जब हम अपने अगले व्याख्यान से निपटेंगे तो हम सीखेंगे कि वह जिस तीसरे शहर को मजबूत करेगा वह हासोर होगा। लेकिन अब जब आपने मेगिदो का स्थान देखा है, जहाँ यह है, तो यह माउंट कार्मेल की बाधा के माध्यम से उस प्रमुख मार्ग के अंत में है। यह अपनी शानदार बॉक्स ऑफिस स्थिति में इस मंच, इस युद्ध के मैदान, इस थिएटर को नज़रअंदाज़ करती है।

मेगिदो एक बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। और फिर हम पहले ही इस तथ्य का उल्लेख कर चुके हैं कि एलिवियाह ने शूनेम में एक युवक को मृतकों में से जीवित किया था और यीशु एक समानांतर चमत्कार करेंगे, जिससे यह टिप्पणी प्रेरित होगी, हमारे बीच एक भविष्यवक्ता है। यह कहने लायक भी है, हालाँकि मेरे पास यह नहीं है, कि प्रकाशितवाक्य अध्याय 16 में, हमारे पास एक लड़ाई है, आर्मागिडन में आखिरी प्रलयकारी सर्वनाशकारी लड़ाई।

और चूँकि वह मेगिदो पर्वत, हर-मेगिदो का यूनानी प्रतिपादन है, इसलिए यह बहुत उपयुक्त लगता है कि वह भी इस विशेष स्थान में अपेक्षित है। दिलचस्प बात यह है कि जब एलेनबी 1900 के दशक की शुरुआत में आए, तो उन्हें उस संदर्भ में खुद को यह उपाधि देते हुए, आर्मागिडन का भगवान बनाया गया था। जब हम अपने आप को समापन की ओर खींचते हैं तो बस कुछ तस्वीरें।

यह उन गेट क्षेत्रों में से एक है। छोड़े जाने की दृष्टि से यह आंशिक है। जब हम हज़ोर के बारे में बात करेंगे तो हमारा फिर से सामना होगा।

लेकिन मैं चाहता था कि आप इसे देखें क्योंकि हमारे यहाँ वह क्लासिक संरचना थोड़ी ऊंची है। इस कमरे को अवरुद्ध कर दिया गया है, लेकिन हम वास्तव में यहाँ एक कमरे को देखते हैं। यहीं इस सेगमेंट में इसका समकक्ष होता।

वैसे, मेगिदो की खुदाई बड़े पैमाने पर नहीं की गई थी, लेकिन शायद 1920 के दशक के अंत या 1930 के दशक की शुरुआत में जितनी होनी चाहिए थी, उससे कहीं अधिक अच्छी तरह से की गई थी। इसलिए, कुछ चीज़ें छीन ली गईं, और हम अब और अध्ययन नहीं कर सकते। यहाँ, हम मेगिदो से सीढ़ियाँ देखते हैं, जो कि कहानी के शीर्ष पर है, यहाँ हमारे हाल के सीढ़ियाँ, हमारे पुराने सीढ़ियाँ, जो इस शाफ्ट में नीचे की ओर जाती हैं, जो फिर आपको क्षैतिज सुरंग में और भी अधिक गहराई तक ले जाती हैं।

और यहाँ हम इस शाफ्ट के नीचे से चट्टान को काटकर बनाई गई क्षैतिज सुरंग को देख रहे हैं, जो सीधे उस दिशा में जा रही है जब तक कि लोग पानी तक नहीं पहुंच पाते। कुछ और और फिर हम थोड़ी समीक्षा के साथ इसे समाप्त कर देंगे। यह उन चीज़ों को ज़मीन पर रखता है जिन्हें हम मानचित्र में देख रहे हैं।

इसलिए यदि आप अपना नक्शा फिर से अपने दिमाग में ला सकते हैं और माउंट कार्मेल की ढलान पर मेगिदो पर खड़े होने के बारे में सोच सकते हैं, तो हम यिज़ेल घाटी को देख रहे हैं। हम यहां सबसे पहले माउंट गिल्बोआ को देख रहे हैं। यहाँ तीर शाफ्ट का सिर, हरोद घाटी है।

यहाँ माउंट मोरेह होने जा रहा है। यह धुंध में है। तो शाऊल और जोनाथन के बारे में सोचो।

उन पलिशियों के बारे में सोचो जो यहाँ घुस रहे हैं। एंडोर के बारे में ठीक से सोचें। शाऊल शत्रु रेखाओं के पीछे जा रहा है।

और यहाँ, भले ही यह धुंध में सिर्फ एक उभार है, माउंट ताबोर उभार है। अपने आप चिपक जाता है। आप इसे हमेशा पहचान सकते हैं।

वह माउंट ताबोर है। और इसलिए उस संदर्भ में, दबोरा और बराक को वहां रखें और फिर सीसरा और उसकी सारी सेना को यहीं कीचड़ में गिरा दें। यीशु और नाज़रेथ मानचित्र से बाई ओर होंगे।

ध्यान देने योग्य एक दिलचस्प, अधिक समसामयिक चीज़ के संदर्भ में, आप इन दो रनवे को यहीं देख सकते हैं। और वास्तव में, वे रनवे हैं जो भूमिगत विमान क्षेत्र से निकलते हैं। और यदि आप काफी देर तक वहीं खड़े रहें जहां हम खड़े हैं, तो आप वास्तव में विमानों को उड़ान भरते हुए देख सकते हैं, जाहिरा तौर पर, जमीन से ठीक बाहर और आकाश में उड़ते हुए।

इसलिए जब हम उस तस्वीर को देखते हैं तो सैन्य रूप से इस क्षेत्र के महत्व की मौजूदा भावना खत्म नहीं होती है। खैर, यिज़ेल घाटी के बारे में सोचते हुए, माउंट ताबोर की एक स्पष्ट तस्वीर यहीं मिलती है। और हम इसे उत्तरी तरफ, नाज़रेथ रिज से देख रहे हैं।

जब हम गलील के बारे में बात करेंगे तो हम अपने अगले व्याख्यान में इस विशेष स्लाइड और इस परिप्रेक्ष्य पर दोबारा गौर करेंगे। सारांश और समीक्षा. तो यह अगले व्याख्यान के लिए एक संबंधक है।

हमने शेरोन मैदान के बारे में बात की है, जिसे मुख्य रूप से हेरोदेस और कैसरिया द्वारा परिभाषित किया गया है, और उसके बाद आने वाली चर्च परंपराओं के बारे में। हमने माउंट कार्मेल के बारे में बात की है। हमने सभी प्रकार के कारणों से इसके एक आदर्श मंच होने के बारे में बात की है।

और हमने इससे उबरने के महत्व के बारे में भी बात की है। और फिर अंत में, हमने यिज़ेल घाटी के बारे में बात की है, जो अतीत में सहस्राब्दियों से युद्ध का मैदान है और संभवतः भविष्य में भी। इससे यह विशेष क्षेत्रीय अध्ययन बंद हो जाता है।

अगला लेख गलील से संबंधित होगा।

यह बाइबिल अध्ययन के परिचय पर अपने शिक्षण में डॉ. एलेन फिलिप्स हैं। यह सत्र 8 है, शेरोन मैदान, माउंट कार्मेल और जेज़्रेल घाटी।